ಕೀಲಿ ಉತ್ತರ

ತರಗತಿ : 9 | ವಿಷಯ : **Hindi (NCERT) (Third Language)** | **9/15**

(1 Mark Each)

1. B. दुःख है ।
2. A. अवरोही है ।
3. D. तुम कहाँ रहते हो ?
4. B. बदनाम है ।
5. A. कठोर काम करना है ।
6. B. भावसूचक है ।
7. D. संबंध कारक है ।
8. C. गिरवाना है ।
9. डिनर में बदला ।
10. साप्ताहिक अखबार ।
11. रैदास का स्वामी ।
12. प्रसिद्ध ।

13. अंगदोरजी बिना ऑक्सीजन के एवरेस्ट की चढ़ाई कर रहा था । 1

14. चलते-पुरजे लोग, मूर्ख लोगों की शक्ति तथा उत्साह का दुरुपयोग करते हैं । 1

15. रामन् का पहला शोधपत्र प्रकाशित मैगज़ीन का नाम था "फिलॉसॉफिकल मैगज़ीन ।" 1

16. देवी का मंदिर शैल-शिखर के ऊपर स्थित था । 1

17. फुटपाथ पर खड़ा आदमी ने कहा, "अरे, इन लोगों का क्या है ? ये कमीने लोग रोटी के टुकड़े पर जान देते हैं । इनके लिए बेटा-बेटी, धर्म-ईमान सब रोटी का टुकडा है । 2

18. अतिथि और लेखक के बीच परिवार, बच्चे, नौकरी, फिल्म, राजनीति, पुराने दोस्तों के बारे में चर्चा हुई । परिवार नियोजन जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई । अंत में पुरानी प्रेमिकाओं के बारे में भी आँखें मार-मारकर चर्चा की । 2

19. रामन् ने वाद्ययंत्रों पर काम करके उनके कंपन के रहस्य को समझने की कोशिश की । उन्होंने भारतीय तथा विदेशी वाद्ययंत्रों पर भी काम किया । वे पश्चिमी देशों की इस भ्रम को तोड़ना चाहा कि भारतीय वाद्ययंत्र विदेशी वाद्ययंत्रों की तुलना में घटिया हैं । 2

20. महादेव जी ने गांधीजी की गतिविधियों पर टिप्पणी लिखने के अलावा 'सत्य के प्रयोग' का अंग्रेजी में अनुवाद किया ।
    * इसके अलावा 'चित्रांगदा', 'विदाई का अभिशाप' 'शरद बाबू की कहानियाँ' आदि का अनुवाद किया । 2

21. सुखिया ज्वर पीड़ित थी । उसका शरीर तवे की तरह तप रहा था ।
    * उसने देवी मंदिर के प्रसाद के एक फूल की इच्छा अपने पिता से प्रकट की ।
    * इसलिए सुखिया का पिता मंदिर आया । 2

22. कवि ने खुशबू रचनेवाले हाथों के लिए उभरी नसोंवाले हाथ, घिसे नाखूनों के हाथ, पत्ते जैसे कोमल हाथ, ज़खमों से फटे हाथ आदि विशेषण का प्रयोग किया है ।
    * इसके साथ-साथ खुशबूदार हाथ तथा गंदे हाथ का भी प्रयोग किया है । 2

23. साँप का ध्यान बँटाने के लिए 2
    * लेखक ने उस पर मुट्टी भर मिट्टी फ़ेंककर साँप का ध्यान तोड़ा ।
    * साँप की ओर डंडा बढ़ा दिया, साँप ने सारा विष डंडे पर उगल दिया ।

    अथवा

    लेखिका ने घायल गिलहरी के बच्चे का उपचार ममता पूर्वक किया । उसे कमरे में ले जाकर उसका रक्त पोंछा । घावों पर मरहम लगाया । बाद में दूध तथा पानी को उसके मुँह में टपकाकर उपचार किया ।

24. * मालाबार में हिन्दू और मुसलमान आपसी प्रेम से रहते हैं । 2
    * वहाँ धर्म के नाम पर दंगे नहीं होते ।
    * वहाँ मुसलमानों द्वारा बनाई गई पहली मस्ज़िद हैं ।
    * बढ़िया चाय या पुलाव के लिए हिन्दू लोग बेहिचक मुसलमानी होटल जाते हैं ।

    अथवा

    लेखिका के पैर तक आकर सरे से पर्दे पर चढ़ जाता, उसी तेजी से उतर जाता था । तब तक ऐसा करता था जब तक लेखिका उसे पकड़ने के लिए न उठती तब तक ऐसे ही करता था ।

25. प्रस्तुत पंक्तियों को गणेश शंकर विद्यार्थी से लिखित 'धर्म की आड़' नामक निबंध से लिया गया है । 3
    * लेखक कहता है कि स्वयं को धर्म का ठेकेदार मानने वाले अपने स्वार्थ के लिए साधारण लोगों को आपस में लडाते हैं ।
    * ढोंग की पूजा-पाठ से स्वयं को सच्चा साबीत करने का प्रयत्न करते हैं ।
    * उन लोगों के लिए लेखक कहता है-मनुष्य को मानकर चलो, पशु मत् बनो, आदमी बनकर जीना सीखो ।

P.T.O.

26. प्रस्तुत पंक्तियों को 'नज़ीर अकबराबादी' से रचित 'आदमी नामा' नामक कविता से लिया गया है । व्यंग्य यह है कि मस्जिद में नमाज़ पढ़नेवाला, बाहर जूते चुराने वाला, जूतों की रखवाली करनेवाला और इन सबको देखने वाला सब आदमी ही हैं ।
* सब एक हीं हैं परंतु चरित्र अलग हैं । 3

27. प्रस्तुत पंक्तियों को 'हरिवंशराय बच्चन' से लिखित 'अग्निपथ' नामक कविता से लिया गया है । कवि के अनुसार हमारे पथ पर कठिनाइयाँ होने पर भी आगे बढ़ना है । आँसू, दर्द, पसीना तथा खून से लथपथ होने पर भी चलते रहना है । मनुष्य को निराशा के बिना आगे बढ़ते रहना चाहिए । 3

28. बुढ़िया औरत का बेटा मर जाने के बाद घर में जो पैसे- आदि बचे थे सब चले गये ।
* घर में बच्चे भूख से तड़पने लगे ।
* बहू को बुखार था ।
* गाँव में कोई पैसे उधार भी नहीं देता था ।
इस लिए बूढ़ी औरत खरबूजे बेचने के लिए चली गयी । 3

29. डॉ. मीनू मेहता ने लेखिका को अल्युमिनियम की सीढ़ियों से अस्थायी पुलों का निर्माण करने, लट्टों और रस्सियों का उपयोग करने, बर्फ़ की आड़ीतिरछी दीवारों पर रस्सियों को बाँधने तथा अग्रिम दल के अभियांत्रिकी कार्यों की विस्तृत जानकारी दी । 3

30. जब अतिथि लेखक के घर आये तब लेखक ने अतिथि का स्वागत एक स्नेह भरी मुस्कुराहट के साथ किया ।
* लेखक अतिथि से गले मिले थे ।
* लेखक की पत्नी ने उसे सादर नमस्ते किया था । 3

31. लेखक ने महादेव के व्यक्तित्व की तुलना गंगा - यमुना जैसी नदियों के किनारे की बिना कंकर वाली मिट्टी से की है । क्योंकि वे किसी के साथ कडुता का व्यवहार नहीं करते थे । सबके साथ नम्रता से व्यवहार करते थे । 3

32. रहीम कहता है कि तालाब, सरोवर आदि का कीचड़युक्त जल सागर के जल से महान है । क्योंकि इसी कीचड़युक्त पानी पीकर जीव अपनी प्यास बुझा लेते हैं । सागर में जल अधिक होने पर भी पीने योग्य नहीं होता । अत: महान वही है जो सबका काम आये । 3

33. ಲ್ಹಾಟೂ ನಮ್ಮ ಹಿಂದೆ-ಹಿಂದೆಯೇ ಬರುತ್ತಿದ್ದರು. ನಾವು ದಕ್ಷಿಣ ಶಿಖರದ ಕೆಳಭಾಗದಲ್ಲಿ ವಿಶ್ರಮಿಸುತ್ತಿದ್ದಾಗ ಅವರು ನಮ್ಮ ಬಳಿಗೆ ಬಂದು ತಲುಪಿದರು. ಸ್ವಲ್ಪ ಚಹಾ ಕುಡಿದ ನಂತರ ಪುನಃ ಹತ್ತಲು ಪ್ರಾರಂಭಿಸಿದೆವು.
Lhatu had been following us and caught up with us while we were resting below the Southernpeak, after having some tea, We started climbing again. 3

34. रामन नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने स्टॉकहोम गए तो वहाँ उन्होंने अल्कोहल पर रामन् प्रभाव का प्रदर्शन किया । बाद में आयोजित पार्टी में जब उन्होंने शराब पीने से इनकार किया तो एक आयोजक ने परिहास में उनसे कहा कि रामन् ने जब अल्कोहाल पर रामन् प्रभाव का प्रदर्शन कर हमें आह्लदित (आनंदित)
करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, तो रामन् पर अल्कोहल के प्रभाव का प्रदर्शन करने से परहेज़ क्यों ? 4

अथवा

रामन् का प्रारंभिक शोधकार्य आधुनिक हठयोग था
* वे अपना कार्य समाप्त करने के बाद कोलकता के एक प्रयोगशाला में समय बिताते थे ।
* उस प्रयोगशाला में बुनियादी संसाधनों की कमी थी ।
* प्रयोगशाला बहुत छोटी थी ।
* रामन वहाँ कई कामचलाऊँ उपकरणों की सहायता से ही शोध कार्य करते थे ।

35. बैठा शुक उस घनी डाल पर 4
जो खोंते पर छाया देती ।
पंख फुला नीचे खोंते में
शुकी बैठ अंडे है सेती ।

36. अ) रवींद्रनाथ के अनुसार शिक्षा के द्वारा भारत की प्रगति हो सकती है । 4

आ) रवींद्रनाथ ने अपने पिता से पूछा कि क्या वहाँ प्राचीन गुरुकुल पद्धति पर आधारित विद्यापीठ स्थापित कर सकते हैं ?

इ) रवींद्रनाथ टैगोर संघर्षपूर्ण जीवन जीते हुए भी काफी संतुष्ट एवं प्रसन्न रहते थे ; क्योंकि ऐसा जीवन उन्होंने स्वेच्छा से अपनाया था ।

ई) शांतिनिकेतन संस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए ढेर सारे रुपये की आवश्यकता थी । रवींद्रनाथ जी ने रुपये का प्रबंध अपनी निजी संपत्ति और अपनी पत्नी के गहने बेचकर किया ।

37. अ) इंटरनेट से लाभ-हानी 1

विषय प्रवेश : इंटरनेट एक अंतर्जाल हैं । एक कंप्यूटर से दूसरे कंप्यूटरों के साथ संबंध स्थापित करने का एक अंतर्जाल है ।

विषय विस्तार : 2

* इंटरनेट से घर में बैठकर खरीदारी कर सकते हैं ।
* विषय विनिमय कर सकते हैं ।
* इससे समय बचता है ।
* इंटरनेट एक क्रांतिकारि खोज़ है ।
* इससे देश-विदेश के लोगों का रहन-सहन, वेश-भूषा, खाना-पीना, कला-संस्कृति-आदि विषय की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।
* इसका बैंकिंग में भी उपयोग होता है ।

उपसंहार : इंटरनेट एक ओर वरदान है तो दूसरे ओर अभिशाप है इसलिए इससे सचेत रहना है । आजकल बड़े-बूढ़ो से लेकर छोटे बच्चों तक इसका प्रभाव पड़ रहा हैं । 1

आ) पर्यावरण प्रदूषण

विषय प्रवेश : अपने आस-पास के वातावरण को पर्यावरण कहते हैं । 1

विषय विस्तार :

आजकल लोग हमारे पर्यावरण को अनेक कारणों से दूषित कर रहे हैं पर्यावरण प्रदूषण को तीन भेद कर सकते हैं ।

* जल प्रदूषण ।
* वायु प्रदूषण ।
* ध्वनि प्रदूषण ।

जल प्रदूषण : मनुष्य अपने स्वार्थ के कारण आस-पास के नदी-नालों को प्रदूषित कर रहा है ।

जैसे : कारखानों में उत्पन्न प्रदूषित पानी को नदि-नालों में जाकर शुद्ध जल को कलुषित कर रहा हैं ।

* वायु प्रदूषण : कारखानों, वाहनों से प्रदूषित वायु शुद्धवायु को प्रदूषित कर रहा हैं ।
* ध्वनि प्रदूषण : कारखानों वाहनों और समारंभ में ज़ोर-ज़ोर से आवाज़ें निकलने से भी ध्वनि प्रदूषण हो रहा है । 2

उपसंहार : मनुष्य अपने स्वार्थ को छोड़कर पर्यावरण की रक्षा करना चाहिए, पर्यावरण के बिना मानव का जीवन असंभव है इसलिए पर्यावरण की रक्षा करना सबका आद्य कर्तव्य है । 1

इ) स्वच्छ भारत अभियान : 1

विषय प्रवेश : स्वच्छभारत अभियान भारत सरकार द्वारा 2 अक्टूबर 2014 को शुरू किया गया था ।

विषय विस्तार :

स्वच्छ भारत अभियान का मुख्य उद्धेश्य भारत को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने के लिए जागरूकता फैलाना है । स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से सार्वजनिक स्वच्छता को सुनिश्चित करने के साथ-साथ जल, हवा और भूमि की रक्षा भी की जाती है । स्वच्छ भारत अभियान के तहत, लोगों को स्वच्छता के महत्व के बारे में शिक्षा दी जाती है और उन्हें अपने घरों, स्कूलों और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है । इसके अंतर्गत, शौचालय निर्माण, स्वच्छता अभियान और जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ।

उपसंहार : स्वच्छा भारत अभियान ने दुनिया भर में बड़े पैमाने पर स्वच्छता के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ाई है ।

38. अपने भाई की शादी का कारण देते हुए अपने प्रधानाध्यापक को छुट्टी के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए । 5

दिनांक : 08-2-23

प्रेषक,
नवीन कुमार
नौवी कक्षा
स्वामी विवेकानंद विद्यालय
धारवाड

सेवा में,
प्रधानाध्यापक,
स्वामी विवेकानंद विद्यालय
धारवाड

महोदय !

विषय : छुट्टी के लिए विनती

उपर्युक्त विषयानुसार आपसे सविनय निवेदन है कि मैं अपने भाई की शादी में शामिल होने के लिए बेंगलूरू जा रहा हूँ । इसलिए मैं पाँच दिन तक स्कूल में उपस्थित रह नहीं पाऊँगा । मुझे 10-02-2023 से 12-02-2023 तक तीन दिन की छुट्टी प्रदान करने की कृपा करें ।

धन्यवाद !

स्थान : धारवाड

आपका भवदीय

38.

स्थल :

दिनांक :

पूज्य पिताजी, सादर प्रणाम ।

मैं _____

_____

_____

पत्र का कलेवर

_____

_____

_____

घर में सबको मेरा प्रणाम कहना ।

अभिवादन ।

हस्ताक्षर

पता :

_____
_____
_____
_____

प्रेषक :

_____
_____
_____